🏥 माता-पिता गाइड: बच्चों में Ruptured (Perforated) अपेंडिक्स

📌 जानकारी – "ये क्या है?"

- अपेंडिक्स आँत से जुड़ा एक छोटा, उंगली जैसा थैला होता है (अधिकतर दाएँ निचले पेट में)।
- इसका कोई खास काम नहीं है, लेकिन यह कभी-कभी ब्लॉक हो सकता है (स्टूल, कीड़े या इन्फेक्शन के बाद सूजन से)।
- जब ब्लॉक हो जाता है → बैक्टीरिया बढ़ते हैं → अपेंडिक्स सूज जाता है → खून की सप्लाई बंद हो जाती है → उसका हिस्सा खराब होकर फट (rupture/perforate) सकता है।
  ⚠️ फटा हुआ अपेंडिक्स पस और गंदगी (स्टूल) पेट में फैला देता है। इससे बच्चा बहुत बीमार हो सकता है और समय पर इलाज न मिले तो जानलेवा भी हो सकता है।
  👉 बच्चों के अस्पतालों में अपेंडिक्स वाले लगभग 3 में से 1 बच्चे का अपेंडिक्स फट चुका होता है जब तक डायग्नोसिस होता है।

😰 लक्षण – "किस बात पर ध्यान दें?"

शुरुआती लक्षण (पहले 24 घंटे):

- दर्द नाभि के पास शुरू होकर धीरे-धीरे तेज़ होता है।
- बच्चा खाना नहीं चाहता।
- उल्टी जैसा मन या उल्टी।
- हल्का बुखार (38–39°C / 100.5–102°F)।

बाद के लक्षण (24–48 **घंटे बाद**):

- **दर्द दाएँ निचले पेट में शिफ्ट हो जाता है।**
- **चलने, कूदने या खड़े होने पर दर्द बढ़ता है।**
- **छोटे बच्चे** (<5 **साल**) **सिर्फ चिड़चिड़े हो सकते हैं, खाना मना कर सकते हैं या चलने से बचते हैं।**
- **अपेंडिक्स फटने पर तेज़ बुखार।**
- **कभी-कभी दस्त, पेट फूलना या बार-बार उल्टी।**

🚨 **तुरंत अस्पताल ले जाएँ अगर:**

- **बहुत ज़्यादा पेट दर्द (खासकर दाएँ निचले हिस्से में)।**
- **बुखार + उल्टी + खाना मना करना।**
- **बच्चा बहुत बीमार, कमज़ोर या सुस्त दिख रहा है।**

🧪 **जाँच – "डॉक्टर कैसे पता करेंगे?"**

🧑‍⚕️ **डॉक्टर बच्चा और माता-पिता से पूछेंगे: दर्द, उल्टी, भूख, बुखार।**
👋 **पेट दबाकर दर्द की जगह देखेंगे।**

🧫 **ज़रूरी टेस्ट:**

- Blood test (**इन्फेक्शन देखने के लिए**)
- Urine test (**पेशाब का इन्फेक्शन या पथरी को अलग करने के लिए**)

🖥️ Scans (**अगर कन्फ्यूज़न हो तो**):

- Ultrasound – **बच्चों में सबसे ज़्यादा होता है।**

- CT scan – rupture का शक हो तो।
- X-ray – कभी-कभी pneumonia या obstruction देखने के लिए।

💊 इलाज – “बच्चा ठीक कैसे होगा?”

🧴 दवाइयाँ

- IV antibiotics – इन्फेक्शन से लड़ने के लिए।
- IV fluids – क्योंकि बच्चा ज़्यादा खा-पी नहीं सकता।
- Pain और उल्टी रोकने की दवाइयाँ।

🔪 सर्जरी (Appendectomy)

पक्का इलाज = अपेंडिक्स निकालना।

- Open surgery – पेट में एक बड़ा चीरा।
- Laparoscopic surgery – 2–3 छोटे चीरे + कैमरा (जल्दी रिकवरी, कम इन्फेक्शन)।

📋 सर्जरी से पहले:

- IV fluids + antibiotics दिए जाते हैं।
- डॉक्टर ऑपरेशन समझाएँगे और सहमति (consent) लेंगे।

🩺 खास स्थिति Ruptured अपेंडिक्स में

- Abscess (पस का थैला): कभी-कभी पस इकट्ठा हो जाता है। डॉक्टर पहले ट्यूब लगाकर पस निकाल सकते हैं, बाद में सर्जरी करते हैं।

- आँत में रुकावट: सूजन से आँत ब्लॉक हो सकती है → हरी/पीली उल्टी। इस स्थिति में बड़ा चीरा (open surgery) करना पड़ सकता है।

🏠 रिकवरी और घर पर देखभाल

अस्पताल में:

- बच्चे को जल्दी चलने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है (रिकवरी तेज़ होती है)।
- खाना तब शुरू होता है जब आँत फिर से काम करना शुरू करे।
- कुछ दिनों के लिए ट्यूब (पेशाब की ट्यूब, NG tube पेट के लिए, drain tube) लग सकती हैं, जिन्हें बाद में हटा दिया जाता है।
- IV से antibiotics और pain killer दिए जाते हैं।

✅ Do's (क्या करें)

🍲 खाना

- हल्का, नरम खाना (खिचड़ी, दलिया, सूप, इडली) से शुरू करें।
- खूब तरल दें (पानी, नारियल पानी, छाछ, साफ सूप)।
- धीरे-धीरे नॉर्मल खाना शुरू करें।
- फल-सब्ज़ी दें ताकि कब्ज़ न हो।

🚶 गतिविधि और आराम

- बच्चे को धीरे-धीरे चलने दें।
- घर पर पर्याप्त आराम दें।

- स्कूल तभी भेजें जब डॉक्टर अनुमति दें (लैप्रोस्कोपी के बाद 1–2 हफ्ते, open surgery के बाद 2–3 हफ्ते)।

🩹 घाव की देखभाल

- घाव साफ रखें।
- छूने से पहले हाथ धोएँ।
- नहाने का तरीका डॉक्टर की सलाह से करें (अधिकतर डिस्चार्ज के 2–4 दिन बाद रोज़ाना नहाना और साबुन-पानी से घाव धोना ठीक है)।
- रोज़ाना घाव देखें – लालपन, सूजन, पस या पानी तो नहीं।

💊 दवाइयाँ

- सभी दवाइयाँ (antibiotics, pain syrup/गोली) समय पर दें।
- डॉक्टर ने stool softener लिखा हो तो दें।
- किसी भी दवा से एलर्जी का ध्यान रखें।

📞 तुरंत डॉक्टर को दिखाएँ अगर:

- बुखार 38.5°C (101°F) से ज़्यादा हो।
- पेट दर्द/सूजन बहुत ज़्यादा हो।
- लगातार उल्टी हो।
- घाव से लालपन, सूजन, पस या पानी निकले।
- बच्चा खाना-पीना या पेशाब/पोटी करना बंद कर दे।

❌ Don'ts (क्या न करें)

🚫 खाना

- तुरंत भारी, तला-भुना, मसालेदार खाना न दें।
- बच्चे को ज़बरदस्ती ज़्यादा न खिलाएँ।

🚫 गतिविधि

- दौड़ना, कूदना, खेलना – laparoscopy के बाद 2 हफ्ते तक, open surgery के बाद 4–6 हफ्ते तक न करें।
- भारी बैग या वजन न उठाएँ (कम से कम 4 हफ्ते तक)।
- भाई-बहन के साथ झगड़ा/खेल में धक्का-मुक्की न करने दें।

🚫 घाव की देखभाल

- घाव को खुजाएँ या रगड़ें नहीं।
- ड्रेसिंग खुद से न हटाएँ (जब तक डॉक्टर न कहें)।
- tub bath, swimming, या बारिश में घाव गीला न होने दें जब तक टांके पूरी तरह ठीक न हों।

🚫 अन्य सावधानियाँ

- follow-up विज़िट न छोड़ें।
- बिना डॉक्टर पूछे कोई दवा न दें।
- बच्चे की तकलीफ़ को हल्के में न लें।

🌟 जल्दी याद रखने वाली बातें

- कुछ हफ्तों तक बच्चा आराम से और सरल दिनचर्या में रहे।

- अगर डॉक्टर कहें तो बच्चे को गहरी साँस लेने और खाँसने को कहें (फेफड़े साफ़ रहते हैं)।
- खाँसते/हँसते समय तकिए से पेट को सपोर्ट दें।
- बच्चे को प्यार और हिम्मत दें – सर्जरी के बाद वे डरे या चिपके रह सकते हैं।

❤️ याद रखें:

सही इलाज और घर पर देखभाल से बच्चे पूरी तरह ठीक हो जाते हैं। आपकी देखभाल, धैर्य और प्यार दवाइयों से भी बड़ा असर करते हैं।

'डॉ ध्रुव महाजन' द्वारा तैयार

बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सा सलाहकार

एमबीबीएस (एम्स, नई दिल्ली)

एम.सीएच बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सा (एम्स, नई दिल्ली), एफएमएएस

डॉ.एनबी बाल चिकित्सा शल्य चिकित्सा (एनबीईएमएस), एफआईएजीईएस, एफएएलएस (रोबोटिक)